पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने जल्ला महावीर मंदिर पथ का किया उद्घाटन, नौ करोड़ से बना है रो

सिटी में 48 करोड़ से बनेंगी दस सड़कें

पटना सिटी | **हिन्दुस्तान प्रतिनिधि**

जल्ला महावीर मंदिर पथ का उद्घाटन मंगलवार को पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने किया। नौ करोड़ रुपए की लागत से यह सड़क बन रही है। इसके अलावा 48 करोड़ रुपये की लागत से दस सड़कों के निर्माण की भी आधारशिला रखी गई।

पथ निर्माण मंत्री ने विभिन्न योजनाओं को नौ माह के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन देश के लिए गौरव का दिन है। हम हनुमानजी से प्रार्थना करते हैं कि वे देश के जवानों को इतनी शक्ति दें कि वीर जवान दुश्मनों के दांत खट्टे कर सकें। उन्होंने कहा कि एक साल के भीतर इस सड़क का निर्माण हनुमानजी की कृपा से ही संभव हो पाया है। श्री यादव ने कहा कि सिटी के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। सभा की अध्यक्षता जल्ला मंदिर न्यास के अध्यक्ष अमर कुमार अग्रवाल ने की। संरक्षक बसंत लाल गोयल ने सड़क निर्माण के लिए श्री यादव को साधुवाद दिया।मौके पर रूप नारायण मेहता, वार्ड पार्षद तारा देवी, सुनीता देवी, पार्षद प्रतिनिधि उमेश मेहता, रमेश चन्द्र गुप्ता, सचिव अरुण कुमार रणवीर ने भी विचार रखे। मंच सं ज्ञानवर्धन मिश्र ने किया।

सौगात

- योजनाओं को नौ माह के अंदर पूरा करने का निर्देश
- सिटी के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी

जल्ला हनुमान मंदिर के पास मंगलवार को आयोजित समारोह में सड़कों का उद्घाटन और शिलान्यास करते पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव। साथ में हैं मेयर सीता साहू व अन्य।

इन सड़कों का होगा निर्माण

पथ निमार्ण मंत्री ने मालसलामी से नगला, चुटकिया बाजार, रामधनी मोड़, गुरु का बाग-नुरपुर होते हुए अशोक राजपथ तक तथा चुटकिया बाजार
देवी जी)से जमुनापुर होते हुए संग्रामपुर तक, सुदर्शन पथ से एनएच-30 वाया रानीपुर पथ के अवशेष भाग का निर्माण कार्य, पुराना एनएच-30
पथ से दीदारगंज, सुदर्शन पथ से शेरशाह पथ वाया गुलजारबाग हाट एवं दादर मंडी होते हुए सादिकपुर पुलिस चौकी तक, अशोक राजपथ से
शरीफागंज, दमराही घाट, कुम्हरार-शनिचरा मंदिर-संदलपुर से विकास कॉलनी-अशोक विहार-प्रोफेसर कॉलोनी होते हुए सैदपुर नहर तक, ए
30 से सैदपुर पभेड़ा, मसौढ़ी पथ वाया कृष्णा निकेतन होते हुए नंदलाल छपरा तक, बेगमपुर-दौलतपुर पथ से जल्ला मंदिर हाते हुए गुरु गोविन्द
लिंक पथ तक, गंगा नदी के किनारे भद्रघाट से मित्तनघाट तक और खाजेकलां घाट से कंगन घाट तक पहुंच पथ का शिलान्यास किया।